निम्न पत्रक बॉयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी.पी.पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे केसै करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंग्लिश मे उपलब्ध है।

इस पत्रक मे दिगई जानकारी बॉयोरे के अधिकारीयो के ज्ञान व बॉयोरे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है।इसमें कुछ विधीयॉ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई है उन्हे सम्मिलित किया है तथा कुछ विधीयों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बॉयोडायनामिक पद्वति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।

bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फ़रवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स्
जुलियाना ज्वाईफैल्
राजीव वर्मा

FiBL

सलाह पत्रक

bioRe®

जैविक कीट नियंत्रण के लिए स्वयं निर्मित दवाईयों को बनाना और उनका उपयोग करना।

उपयोग: यह अच्छे अंकुरण के लिये हानिकारक फफूंद व बैक्टेरिया के खिलाफ कार्य करता है।

सामग्री

यह मात्रा 10 किलो बीज को उपचारित करने के लिये पर्याप्त है।

गाय कागोबर
500 ग्राम

गौमूत्र
500 मि.ली

2x

पनी
2 लीटर

चुना

मेड़ की मिट्टी

साधन

* कैन या बाल्टी व कपड़ा
* तगारी
* प्लास्टीक की पल्ली

असर प्रणाली

बीजामृत अंकुरण के समय हानिकारक फफूंद व बैक्टेरिया से रक्षा करता है और पौधों को पौषक तत्व शी प्रदान करता है जिसके कारण अंकुरण प्रतिशत बढ़ जाता है।

बीजामृत से आप हर प्रकार के बीजों को उपचारित कर सकते है।

मात्राः	उपयोगः–आधा ग्लास मिश्रण –150 मि.ली से 500 ग्राम बीजों को उपचारित करें व 1 लिटर से 3 किलो बीजों को उपचारित करें।
रखने की अवधिः	बीजामृत ताजा बनायें व अधिक से अधिक 1 सप्ताह के अंदर उपयोग कर लें।
सीमाएः	उपयोग के समय हमेशा ताजा बीजामृत ही बनायें।
सक्रिय तत्वः	इसमे कैल्सीयम, नत्रजन, फॉस्फोरस और सशी सूक्ष्म तत्व उपलब्ध हैं।

बनाने कि विधि

चरण 1: सभी पदार्थो को कैन मे डालकर अच्छे से मिलाये ताकी ठोस पदार्थ अच्छे से घुलजाय।

चरण 2: कैन के मुह को ढक दे व 24 घण्टें के लिए रख दें और इसे दो बार हिलाऐं।

चरण 3: बीजों को तगारी मे डालें और उनपर बीजामृत डालकर अच्छे से मिलाऐं।

चरण 4: उपचारीत बीजों को प्लास्टीक की पल्ली पर फैलाकर छाया मे थोडी देर सुखने दें, बाद मे बीजों को नमी वाली जमीन पर बुवाई करे।